

ASHA ARCHIVES

1.535

ਗੁਰਮਤਿ ਮੰਤਰ

॥ नाम ॥

॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ वदन् धनं क्षीमान् ॥ दूर्ध्वा न दमक यव
॥ १ ॥ श्लोकविजयी बाढकुलिकस्वच ॥ १ ॥ विवृष्टपुलीकद्रु
॥ २ ॥ धातुल्लकमलाननः ॥ धालालयन् वदन् स्वकचक्षमूद्र
॥ ३ ॥ शुकदीर्गलंगयमुखे वनं केवलापादिहिः ॥ दूर्ध्वा न दमक
वीच वीलविहसचूरीहि ॥ ३ ॥ उलालयहिः स्वकचक्षमूद्र

॥ संग ॥

॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ वदन् धनं क्षीमान् ॥ दूर्ध्वा न दमक यव
॥ १ ॥ श्लोकविजयी बाढकुलिकस्वच ॥ १ ॥ विवृष्टपुलीकद्रु
॥ २ ॥ धातुल्लकमलाननः ॥ धालालयन् वदन् स्वकचक्षमूद्र
॥ ३ ॥ शुकदीर्गलंगयमुखे वनं केवलापादिहिः ॥ दूर्ध्वा न दमक
वीच वीलविहसचूरीहि ॥ ३ ॥ उलालयहिः स्वकचक्षमूद्र

॥ १ ॥

॥ ३ ॥

॥ १ ॥

॥ नाम ॥
॥ २ ॥

॥ ४ ॥ यथाचाहीहवाम्यहं ॥ ५ ॥ ब्रह्मानयेदमगमनी कुशवा
कुलचरस ॥ हिताय सर्वसत्त्वानी शत्रुहन्तुलक्षय ॥ ६ ॥
यकाशयतुसंवृद्धा रुगवत्साक्षात्तगमुचु ॥ महासमयकत्व
ह ॥ ७ ॥ द्विधाशयवित्यन ॥ ८ ॥ रुगवत्ब्रह्मानकायस्य ॥ ९ ॥ संग ॥
हाहीषस्यगीव्यन मऊपीहानकायस्य ॥ १० ॥ ह्यमूर्त्तचर्य ॥ ११ ॥

कुवं ॥ १० ॥ गम्भीचार्थमूदाचार्थ महार्थनासमासिवा ज्ञादिम
ध्याककल्याणी ॥ नामसंगीतिमूर्त्तमा ॥ ११ ॥ यानिमेहर्षिमेवै
हर्षिष्यनकुनाविगता ॥ १२ ॥ त्वत्यनाच्चसंवृद्धा याहार्थनयन
ह्यन ॥ १३ ॥ मायाजालमहानकु याचास्मिन्संप्रगीयन ॥ महा
वद्वचनेहृष्टेचमयेनुधाविरि ॥ १४ ॥ मूर्त्तचेनाधनयि

॥ नाम ॥

॥ ३ ॥

आम्पानिर्यानीचट्टाणय ॥ यथा रुवा म्पहं नाथ सर्वसंबुद्धगुण
क ॥ १४ ॥ प्रकाशविषयसत्त्वानीयथासयविशेषरु ॥ मृ ॥ १५ ॥
कुंठनामय ॥ मृ ॥ १६ ॥ सखानहानय ॥ १७ ॥ वमध्यमगुण
वज्रपाणिस्तथाग ॥ रुता अलिमृ ॥ १८ ॥ यद्वाकायति ॥ १९ ॥
ना ॥ २० ॥ १५ ॥ मृ ॥ २१ ॥ मृ ॥ २२ ॥ मृ ॥ २३ ॥

॥ संग ॥

॥ ३ ॥

मृ ॥ २४ ॥ गवान् ॥ सर्वद्विषदाम ॥ नि ॥ २५ ॥ यथायनास्ती
ना स्वकिदास्वमृवाच ॥ २६ ॥ स्मि ॥ २७ ॥ सीद ॥ २८ ॥ लाका
नामयायय ॥ २९ ॥ धनी ॥ ३० ॥ लाका ॥ ३१ ॥ सकच ॥ ३२ ॥ चहुर्मान
नि ॥ ३३ ॥ सनी ॥ ३४ ॥ द्वि ॥ ३५ ॥ लाका ॥ ३६ ॥ मृ ॥ ३७ ॥ यथा
यागिना ॥ ३८ ॥ प्रत्य ॥ ३९ ॥ मृ ॥ ४० ॥ गुण ॥ ४१ ॥ वज्र ॥ ४२ ॥ पाणि ॥ ४३ ॥ महा ॥ ४४ ॥ वल ॥ ४५ ॥ साधु ॥

॥ नाम ॥
॥ ४ ॥

इधनश्रीमान्साधून्वदयाधया॥ यत्त्वं जगद्विनाथाय म
हाकचूषयाचिरा॥४॥ महार्थनामसंगिनि यविशमघनास
नी॥ मइश्रीस्नानकायस्य मइः२॥ ईसमयूनि॥५॥ नत्साधू
दभयाम्यष अहंनगुक्काधियः॥ गृणत्वमकागर्मनी नत्सा
इगवानिनिः॥६॥ प्रनिवचगथायइ॥ ॥ सुधमक्कमनि

हृगवान् सकलमनुकुलीमहर् ॥ मनुविद्याधने कुनीव्यवलाक
कुलकुर्यी ॥ १ ॥ लाकलाकाहलीकुली लाकलाकीकुलीमहर् ॥
महाम्दाकुलीचाखी महाश्रीषकुलीमहर् ॥ २ ॥ षड्कुलावला
कगमथाहः ॥ ३ ॥ ॐ मां वल्लभं कृपाजनं सकलकामदयाद
यी ॥ अनन्यादधर्मिणी गमथा हावहस्मगिजीवह ॥ १ ॥ अ

॥ नाम ॥

॥ ३ ॥

हामहमाहलारुःसर्वलारुनिदूदन॥महाकाशमहासोखा
महाभादामहानि॥३॥महानृपामहाकाशमहावरुमहा
वयू॥महानामामहादावा॥महाविपुनमधुल॥४॥महायज्ञ
युधधनामहाक्लृष्णकुक्षमयथा॥महायसामहाकीर्तिमहा
यानिमहायुनिमायाधनाविद्वान्॥महामायार्थसाधक

॥ संग ॥

॥ ३ ॥

॥५॥महामायानिचकामहामायन्दुताविव॥६॥महादानप
तिप्रदामहाशीलाधवागधी॥महादानिधवाधीनाम
हावीर्ययवाक्रम॥७॥महाध्यानसमाधिरुमहाप्रकृष्ट
नीलधृक्॥महाबलामहायायप्रवाधीरुतसागन॥८॥
महामेरीमयामयामहाकाचलीकाश्यधी॥महाप्रकृष्ट

॥ नाम ॥

॥ १ ॥

रुधीमान् महायाया महाकृति ॥ ११ ॥ महाप्रदिवलायना महा
वर्यममहाजवमहाप्रदिवलायना महावनयनाक्रम ॥
॥ १२ ॥ महारुवाडिर्सेरुल्लमहावक्रधनाघनः ॥ महकुल
महाबोडामहारुयकुर्यकच ॥ १३ ॥ महाविशारुमानात्मा
महामकुलमानुचः ॥ महायाननयात्रुः ॥ महायाननय

॥ सीग ॥

॥ १ ॥

रुमः ॥ १४ ॥ वक्रधारुमहामकुलगाथाचतुदश ॥ ॥ म
हावेनाचनावृक्षमहामुनिमहामुनिः ॥ महामकुनथात्मा महा
मकुनयात्मक ॥ १ ॥ दशयानमिनायाफा दशयानमिनाद्य
यः ॥ दशयानमिनाद्युद्धि दशयानमिनानय ॥ २ ॥ दशरुमीष्ट
नानात्मा दशरुमीष्टमिष्टिक ॥ दशरुमानविशुद्धात्मा ॥

॥ नाम ॥ दशह्वानविशुद्धक ॥ १ ॥ दशमकालादशमार्थरथमनीश्वरी
॥ २ ॥ दशवलाविरु ॥ श्रवणविश्वार्थकनादशमकावावगीमहा
न ॥ ४ ॥ अनादिनीषयंचात्मा शुद्धात्मातथस्तक ॥ हुरुवा
दीयधवादीतथकानी अनन्यवाक ॥ ५ ॥ श्रद्धयद्वय ॥ संग ॥
वादिचहुरुकाठीव्यववसिह ॥ नेनात्पसिंहनिर्नादक ॥ ६ ॥

कीर्धमृगहीकन ॥ ६ ॥ सर्वद्वय ॥ २ भाद्यगहिसुथागरुम
नाजव ॥ जिनाजिनानिविजयीचक्रवलीमहावल ॥ ७ ॥
गद्यमुखाग ॥ अचार्यागरुह ॥ अगलवर्तिर्वशी माहानुरा
वर्धनचनया ॥ अनन्ययामहानय ॥ ८ ॥ वागीश्वराव्याहि
मीवाचस्पतिचनकगी ॥ सत्यवाक्कस्यवादिचचरुःस

॥ नाम ॥

॥ ९ ॥

सहायदशक ॥ ९ ॥ सुवेवर्तिकाञ्जनागमी स्वप्रपत्य
कनायक ॥ नानानिर्याननिर्यानामहारुनेक कान ॥

॥ १० ॥ मूर्द्धकात्मा श्रुवाहिकुविराजति नृद्विष्य ॥ कम
पा फलरूप्याफजिनीरुना कनाविन ॥ ११ ॥ विशाचज
संयन् ॥ १२ ॥ सगनालाकविस्वज ॥ निमयान हं कान सत्यद्वय

॥ संग ॥

॥ ९ ॥

नयस्मिन् ॥ १२ ॥ संसारयाकाटिस्मः कुरुकृत्यस्मलस्मिन्

॥ केवच्यहाननिष्कुरुप्रह्लागानुविदाचन ॥ १३ ॥ सद्

धर्मधर्मनाकास्वान् ॥ लाकालाककनीयच ॥ धर्मध्वजा

धर्मनाजा ॥ सुधामारुग्ययदशक ॥ १४ ॥ सिद्धार्थसिद्धसंक

त्य सर्वसंकल्पवर्द्धिन् ॥ निर्विकल्पा ॥ दयाधनुः धर्मध

॥ नार्म ॥

॥ १० ॥

कुयवायय ॥ १५ ॥ पूत्यवानुन्यसंहावा हानहृनाका
नैमहृ ॥ हानवा सदस हानी सैहानद्वयसंहा ॥ १६ ॥
महाविश्वनाथागि धार्मध्याधियायि ॥ प्रत्यात्मवशक
चलयनमायसुिकायधृक् ॥ १७ ॥ यैवकायत्ममंकेकाव
धा यैवहानात्मविशु ॥ यैवबुद्धात्मकामकृट यैवचक्र

॥ सीम ॥

॥ १० ॥

सैगधृक् ॥ १८ ॥ जनकसर्वचुद्रानीबुद्धपुत्रवनावच ॥ प्र
हृवाकृवाथानिद्रमथानिरुक्ककृ ॥ १९ ॥ घनेकः
सानवजात्मा सधाजाहाजगत्पति ॥ गगरत्नरुवः ल्यय
कुप्रहृहानानचामहान् ॥ २० ॥ वेवाचनामहादीकि ह
नकाहिविलाचन ॥ जगत्प्रदीया हानात्मा महान्काप्र

॥ नाम ॥

॥ ११ ॥

स्वन ॥ २१ ॥ विद्यानाऊ ५१ मनु २५ मनु नाऊ महार्थ कुरु
॥ महास्त्री धारुणा स्त्री धा विष्णु दत्ती विद्यत्यकि ॥ २२ ॥ सर्ववृज्ज
स्मरावा २५ ॥ ऊ मदानन्द लावन विष्णु विधाता च ॥ प्रकामा
मामहासवि ॥ २३ ॥ कूलद्रयधनामन्त्रि महासमयमनुधुक्
॥ नलद्रयधनः २४ ॥ शशि यानोरुमदसक ॥ २५ ॥ समाद्यय

॥ संग ॥
॥ १ ॥

॥ विजयी वजया २५ महाशर ॥ वज्री कुरु २५ महाया २५ व
ऊरेनवरी कन ॥ २५ ॥ सविमुद्र धर्मधारु क्लानगाथ
पंचविंशति ॥ काठनाटय म्मराही म ॥ वृद्ध २५ शीषदुः
जावनी ॥ ईश्वर क जानक काला हला हल सतानन ॥ १ ॥
यमान काविद्य नाजावज्ज वरगहर्षकन विद्युष्टवज्ज

॥ नाम ॥

॥ १२ ॥

हृदयामायावज्जामहादन ॥ २ ॥ कुलिरामवज्जयानि
वज्जमरुतनहायम ॥ मृचलेकजगतायागजवर्मपटादध्व
॥ ३ ॥ हाहाकाचीमहाधाधाहीहीकाचरुयानक ॥ मृदहा
सामहाहासावज्जहासामहावन ॥ ४ ॥ वज्जसत्त्वमहासत्त्वावज्ज
नाजामहासूख ॥ वज्जचरुमहामादावज्जहूँकाचहूँकरी

॥ सीमा ॥

॥ १२ ॥

॥ ५ ॥ वज्जवासायुधधनावज्जखज्जानिहकन ॥ विष्टवज्जध
नावजीवकवजीवत ॥ ६ ॥ वज्जकालाकनालाकावहा
लासावाच ॥ वज्जावराममहावममकाकावज्जवाचन
॥ ७ ॥ वज्जवासाकुलकन ॥ वज्जनामकविग्रह ॥ वज्जकाटिन
खाचहावज्जसावधनचुनि ॥ ८ ॥ वज्जमालाधरपीमनवज्ज

॥ नाम ॥

119311

रुनहृषिक॥ हाहाहृसनिर्घाषावज्जु धाषाव उक्कन॥ ७॥ मी
रु धाषामहानाद सुलाक्के कनधामहान॥ त्याकातधुयय
रु धाषाधाषवतावल ॥ १०॥ आदर्भकानगंथीदल॥ रुध
ताहृरुनेनात्म्यहृरुकाटीनवकन॥ धून्यतावादिदृषलागमूना
दावगर्हून॥ १॥ धम्मर्शवामहान ह्री धम्ममधुमहान हा॥ १॥

॥संग॥

119311

प्रतिष्ठितनिर्वाहस्तद्वदिकधर्मद्विह ॥ २ ॥ स्रुथाश्रयवा
नरग्नानानाश्रयामनामय ॥ सर्वश्रुतावरुणायशानरग्नप्रतिर्वि
धृक् ॥ ३ ॥ स्रुध्वामहस्तस्वामुधुधुकमहस्तन समृद्धि
तार्यमागस्तधर्मककुमहादय ॥ ४ ॥ कुलाकेककुमात्रीग
सविलाहृद्वपुजायति ॥ द्वाविंशतनवरुणधनकाकसेलाः

॥ नाम ॥

॥ १४ ॥

क सुन्दर ॥ ७ ॥ ला क हान गु ल चार्थ ला का चार्थ वि
भवद ॥ ना थ फा ना हि ला को फ न व र्ण हा य ती च रू र्ण ॥ ५ ॥ ग
ग ल हा ग सर्व रू ह्ना सा ग न ॥ अ वि य गु का न र्ण रू ला ह व र्ण
न दा व ल ॥ १ ॥ अ मि ना र न व र्ण रू ह्ना सा व र्ण व या न ग ॥ ह्ना
ना हि व क म कू ट र्ण रू ह्ना व र्ण रू ह्ना ॥ ८ ॥ हि ५ ४ र व ५ ० र व

॥ र्ण ॥

॥ १४ ॥

स म र्ण कृ ना न क मि म कि ग र्ण रू ह्ना व र्ण रू ह्ना वि नि कृ म्क ॥ अ का
र न म र्ण ग र्ण ॥ २ ॥ र्ण रू ह्ना म ला ती क र्ण रू ह्ना न ध ग कि ग र्ण ॥ र्ण रू ह्ना
रु म हा ना र ग गु र्ण रू ह्ना व र्ण रू ह्ना ॥ १० ॥ र्ण रू ह्ना वि नि कृ म्क र्ण
म व र्ण नि रू ह्ना ॥ र्ण रू ह्ना वि ना म र्ण रू ह्ना व र्ण रू ह्ना रू म वि गु
॥ ११ ॥ म हा क र्ण रू ह्ना म हा रू ह्ना रू म र्ण रू ह्ना रू म र्ण रू ह्ना

॥ नार्म ॥

॥ १५ ॥

लाहिरि वी सत्त्व वसल ॥ १२ ॥ गुहा गुह्य काल क समय रुः

समर्थ विदुः ॥ सत्त्व विद्य ली वल ह्री वि मू कि मु य का वि द ॥ १३

गुणी गुण ली धर्म ली प्र ज्ञा साम प्र ला दय सर्व म ज्ञ ल मा ग त्वा

कीर्ति न श्री य स गुरु ॥ १४ ॥ महा स वा म हा न्धा सा महान न्धा मह

न कि सत्काय सत्कृति रुति प्र भा द शी र्य स स्प ति ॥ १५ ॥ व न र द्धा

॥ सी ॥

॥ १५ ॥

वन द र द्धाः न व र्ध न व र्ध म रु म ॥ महा रु या नि प्र व वा निः म यः

रु य ना म न ॥ १६ ॥ नि र्वि मि र्व गु ज टि ला ऊ टि मो ति कि नी

टि मा त् ॥ र्य वा न र्ध र्य व मि र्व र्य व वी न क र म य व ॥ १७ ॥ महा

व र्ध न म जी व क्त्वा नी व र्ध ल म महा न्धा न्धा नि र्ध ला

न का र्ग म मा गु णी ॥ १८ ॥ व क्त्वा वि द्वा क्त्वा व क्त्वा व क्त्वा नि

॥ नाम ॥

॥ १३ ॥

वर्त्तमा फर्त्तन् ॥ मुक्तिमा क्ता विमा क्ता ॥ गवि मुक्ति ॥ मक्तगामि
व ॥ १२ ॥ निर्वाहानि वृत्ति ॥ मक्तिः ॥ यथानियातमक्तग ॥ सखद
॥ स्वाकृष्ट निष्ठा वेनायमयधिरुय ॥ २० ॥ मृजया ॥ नयभावकी
निवाहासानिर्वजन ॥ निक्कनः ॥ सर्वगव्यापि ॥ मृक्का विजमना
यव ॥ २१ ॥ मृजया विलजा विमला वाकदा धानि नाम मय ॥ स

॥ संग ॥

॥ १३ ॥

यवृद्धा विवृद्धा ॥ स्यात्सर्वरुः ॥ सर्ववित्पन ॥ २२ ॥ विरुहानधर्मि
मीमाहानमद्यनूयधक् ॥ निविकल्पानि वाहागडस्पष्टसिबुद्ध
कायधक् ॥ २३ ॥ मृनादिनिधनावृद्धा ॥ आदिवृद्धानिर्वजन ॥
॥ २४ ॥ नेकाच कूनीमलाहानमूरिस्तथागर ॥ २४ ॥ वागीश्व
नामहादा वादिनाद्वार्यगव ॥ वदनी म्बनावविष्ठा वादिसिहा

॥ नाम ॥

॥ ११ ॥

नाजिका ॥ २५ ॥ समरुदनीषामायसुजामालीरुदनि ॥ श्रीव
त्ससूपरुदीफिरुहामूनकनयुनि ॥ २६ ॥ महारिषवनः अष्टमल
हुरुनिबुरुन ॥ अष्टमलकनः कौसव्याधिमहाविष् ॥ २७ ॥ कुलाः
कहिलकाकाकः श्रीमान् कुरुम सुल ॥ दलदिग्ग्यामयय्यनध
मधजहाचय ॥ २८ ॥ जगच्छेकविपुलामेष्टिकनुरुम सुल

॥ संग ॥

॥ ११ ॥

॥ पचवृक्षम्वनः श्रीमान् वत्तच्छामहाविष् ॥ २९ ॥ सर्ववृद्धमहा
वाजासर्ववृद्धात्ससर्वधृक् ॥ सर्ववृद्धमहायागसर्ववृद्धेकसास
न ॥ ३० ॥ वज्रवत्तारिषकधीसर्ववत्ताधियम्वन सर्वलाकम्वनयनि
सर्ववज्रधनाधिय ॥ ३१ ॥ सर्ववृद्धमहाचिरुसर्ववृद्धमनागनि ॥ स
र्ववृद्धमहाकायसर्ववृद्धसदस्वनि ॥ ३२ ॥ वज्रसूर्यमहालाका

॥ नाम ॥

॥ १८ ॥

वज्रद्विभलप्ररु॥ विनागादिमहानागाविश्ववर्धुहलप्र
रु॥ २३॥ सर्ववज्रपर्यंकावृधसंगीतिधर्म॥ वृद्धयधारावः०
प्रीमासर्वरुहानकागधक्॥ २४॥ विश्वमायाधनावाज्जुद्धवि
याधनामहान॥ वज्रकीर्णमहाखलाविभुद्धयचमाह्वन॥ २५॥
॥ इःखच्छेदमहायानवज्रधर्ममहायुध॥ जिनजिक्वज्रगम्भी

॥ संग ॥

॥ १८ ॥

र्यवज्रवृद्धियथार्थविह॥ २६॥ सर्वयानमितायुनिसर्वरुमिविह
यत्न॥ विभुद्धधर्मभेनात्मासम्पक्कुरुभन्दरुखरु॥ २७॥ मायाज
लमहाशागसर्वतन्त्राधियःयवः॥ मूलवज्रयर्थद्विनिःसवका
नकायधक्॥ २८॥ समकदंतीपैरुद्रसूमतिःकिङ्किगर्हाङ्गग
ति॥ सर्ववृद्धमहाहागविश्वनिर्मातृचक्रधक्॥ २९॥ सर्ववृद्धमस्तु

॥ नाम ॥

॥ १२ ॥

॥ मिमि

ਸੰਤ

॥ ११ ॥

सर्वसत्त्व

四九一

पुष्पक

रुन॥३

बलाक्रान्ति

॥ नाम ॥

॥ २० ॥

पादांगुष्ठनखच्छिद्र ॥ ४ ॥ नकारार्थाद्द्वयधर्मार्थपञ्चमार्थवि
नञ्च ॥ नानाविरूपिण्यार्थस्त्रिरुविरूपानसकृति ॥ ५ ॥ श्रुत्वा
रावार्थवति शून्यतावति च यधी ॥ हवन्नागमयतीह श्रुत्वा यमहा
नकि ॥ ६ ॥ उद्गुडाह रूधव नवचन्द्रा उगुधर ॥ वालार्कमलुल
ष्टया महावगनखधर ॥ ७ ॥ ॐ तुनीलाग्रसञ्जीवामहानील

॥ सीग ॥

॥ २० ॥

कचाग्रधक् ॥ महामलिमयुधख श्री बुद्धनिर्मलरूवन ॥ ८ ॥ ला
कधारु ननार्कयी मद्रियादयवाक्रम ॥ महास्मृतिधवस्तुताचकुम्भ
तिसमाधिवाह ॥ ९ ॥ बाध्यगकुत्सामादास्तथागनगुल्मादधि ॥
॥ मृष्टीगमार्गनयविह सीम्यक्ती बुद्धमार्गविह ॥ १० ॥ सर्वसत्त्वमहा
सीगानि सीगगगल्लयम ॥ सर्वसत्त्वमनाजक सर्वसत्त्वमनाजव ॥

॥ नाम ॥

॥ २१ ॥

॥ ११ ॥ सर्वसत्त्वद्वितीयार्थरू सर्वसत्त्वमनाहन ॥ पंचस्कंधार्थरू
रत्वरूपपंचस्कंधविशुद्धक ॥ १२ ॥ सर्वनिष्ठा लकाटि रू सर्वनि
ष्ठा लकाविद्या सर्वनिर्वाणमार्ग रू सर्वनिर्वाण लक ॥ १३ ॥ द्वाद
शगुरुवात्वाद्वादशकान्तुद्धक ॥ चतुसहस्रनयावा म
ष्टसूत्रवधाधधक ॥ १४ ॥ द्वादशकान्तसत्यार्थशशकान्तक

॥ संग ॥

॥ २१ ॥

लरुत्ववि ॥ विंशत्या कालसंधाधिवृद्धसर्ववित्यन ॥ १५ ॥ मम
यवृद्धनिर्माणकायकाटिविरावक ॥ सर्वरू ण्टिसमयसर्वचि
रू ऋणार्थविर ॥ १६ ॥ नानायानतथायाथा जगदर्थविराव
क ॥ यानतिरुयनियारुचकयानरू लस्तिरू ॥ १७ ॥ क्लेशधनु
विशुद्धात्मा कर्मधनु दूर्यकनडा धादरधसमूहीरुयाग

॥ नाम ॥

॥ २२ ॥

कान्तावनिःसृष्टः ॥ १८ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

युक्तायामहाकुरु तमामाद्यगदर्थकम् ॥ १९ ॥ सर्वसं

रामयहि नार्थविह्वानार्थविबाधधृक् ॥ सर्वसत्त्वमनाविवसर्व

सत्त्वमभागतिः ॥ २० ॥ सर्वसत्त्वमनारुह्य चिरुसमरी ॥ सर्वसत्त्वम

नाह्लादि सर्वसत्त्वमभागतिः ॥ २१ ॥ सिद्धान्तविजुमायकः सर्वज्ञः

॥ सौग ॥

॥ २२ ॥

किं विवर्जितः ॥ निःसीदग्धगतिः कार्यः सर्वार्थकियुत्तमत्व

॥ २२ ॥ यत्किं स्वार्थकिकालः सर्वज्ञविज्ञावकः ॥ एकः

तमिः सर्वज्ञः तमिः सर्वज्ञः तमिः सर्वज्ञः ॥ २३ ॥ जन

नकायकायाः ॥ कायकारिः विज्ञावकः ॥ ज्ञेयवत्पुंसं

दनीचलककुमहामतिः ॥ २४ ॥ समस्तान्तात्पर्यं ॥

॥ नाम ॥

॥ २२ ॥

४॥ सर्वसंबुद्धाद्वावुद्धाविनरुचः॥ अनरुचामनुया
निमहामनुकुलरुचः॥ १॥ सर्वमनुर्थजनकामहाविन्दनरु
चयश्चरुचामहानुयाविन्दु ननुचयउरुच॥ २॥ सर्वाकावेति
चाकः॥ ३॥ वाउन्मर्धाद्विन्दुधृक्॥ अकलः॥ कलनामीरुचुर्थ
ध्यानकीटिधृक्॥ ३॥ सर्वध्यानकलारिः॥ ४॥ समधिकुलरुग

॥ संग ॥

॥ २३ ॥

उविर्॥ समाधिकायकायाग्रः॥ सर्वसंहागकायचः॥ ४॥ निर्मा
लकायकायारुग्णवुद्धनिर्मलवर्णधृक्॥ दमदिग्विष्वनिमा
रुचयधवर्गुगदर्थकः॥ ५॥ दवादिदवादेवन्दुः॥ ६॥ स्वन्दुदान
वाधियः॥ ७॥ समबन्धुः॥ ८॥ समथः॥ ९॥ समथः॥ १०॥ उली
र्तुवकाकाचनकः॥ ११॥ साङ्गगुर्ः॥ १२॥ पर्यान्निदिग्लाकध

॥ नाम ॥

॥ २४ ॥

मदानयनिर्महान् ॥ १ ॥ मेहीसन्नाहसन्नद्धः कर्तुः क्षवर्मधमि
रुः ॥ प्रह्लाखः धनवान् ॥ कुं ॥ मन्त्रनवर्तुः रुः ॥ ८ ॥ मानाविर्म
वजिदीनः स्वरुमान् रुयाकः रुः ॥ सर्वमानचमूः रुः ३ सर्वद्वालो
नायकः ॥ ९ ॥ वन्द्यः पूः १ रिवाद्यः माननीयः स्थित्युः ॥ १० ॥ ॥ सीग ॥
चनीयः रुमामानमस्यः पवः मन्त्रुः ॥ १० ॥ हुं लोकोकः ॥ २४ ॥

मगहिर्धामियर्यन्विक्रमः ॥ ११ ॥ विद्यः १ ॥ धनियः पूरुः १ ॥ वठुहिः रुः
वठुन्महिः ॥ ११ ॥ वाधिसत्त्वामहासत्त्वलाकातीनामरुद्रिकः ॥
प्रह्लापावमिहानियः १ ॥ प्रह्लातत्त्वमागरुः ॥ १२ ॥ आत्मवित्पनः
वित्सेर्वः १ ॥ सर्वाथाः प्रयुः १ ॥ सर्वायमामहिकानाः १ ॥ आरुना
धियः १ ॥ १३ ॥ धर्मदानयनिः १ ॥ अष्टशुभमार्थः धनकः ॥ १४ ॥

॥ नाम ॥

॥ २५ ॥

वास्यरुमाऊनीनियालक्ययायिनी ॥ १४ ॥ यवमार्थविशुद्धी
मुलाकुरु ॥ गमहान् ॥ सर्वसंयत्नवशीमान् ॥ शूचीशीमनीव
न ॥ १५ ॥ ~~कल्याचयानस्तनमाथा ४ यवदल ४ ॥~~ नमस्तुवनरव
जायूरुकाटिनमामु ॥ नमस्तुलून्यकागर्हवृद्धवाधिनमामु
न ॥ १॥ वृद्धागनमस्तुवृद्धकामनमानम ॥ वृद्धपीनिनम

॥ संग ॥
॥ २५ ॥

सुर्यवृद्धमादनमानम ॥ २ ॥ वृद्धस्मिन्नमामुस्यवृद्धहासन
मानम ॥ वृद्धवाचनमस्तुवृद्धरावनमानम ॥ ३ ॥ शूरुवारुवन
मस्तुनमस्तुवृद्धसीरुव ॥ गगनारुवनमस्तुस्यनमस्तुलूनसीरुव ॥
मायाजालनमस्तुस्यनमस्तुवृद्धनाटक ॥ नमस्तुसर्वसवेत्यास्तुन
कायनमामुनिति ॥ ५ ॥ यवकथागरस्तुनमुनिगमथा ॥ ॥ ५ ॥

॥ नाम ॥

॥ २१ ॥

दातृषिषु ल्या महाथाजगदर्थकुरु ॥ वृद्धानां विषया हसस
म्वक्ता वृद्धदसिह ०० ति ॥ ७ ॥ उपहासगार्थीयश्च ॥ ॥ शार्यमा
याजालायादससाहसिकायीमहाथागकन्मनयानिसमाहि
जालयकनारुगवकथागक ॥ कमुनिरुखिनाहगवंतंम ॥ संज
सुनसलस्यलमार्थानामसंगीतियलिसमाय ॥ गुडसं ॥ २१ ॥

॥ नाम ॥

॥ २८ ॥

वहू ९ ६४ ॥ सालमिनिवाज १० समसवृद्धवाचसव
मिम्भ १० ॥ ७ ॥ धसकुसनागो गुधसामुलवालया
वजान्वयजिडवजगुलाकूनचागुगुरु ॥ धसकुपुन
विबयालसकु कूलगुरु ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ संज

ASHA 1900

1.505 x 5.35

1900